युवाओं के साथ काम करने की आवश्यकता क्यों?

रेड रिबन क्लब युवाओं का युवाओं द्वारा युवाओं के लिए संचालित एक अनौपचारिक क्लब है, जिसमें युवा जीवन के विभिन्न पहलुओं पर खुलकर चर्चा की जा सके। यह एक ऐसा मंच होगा जहां युवा मन एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए सचेत होगा। क्योंकि युवाओं में एक जोश होता है, उत्साह होता है, वह नए–नए प्रयोग करते हैं, रोमांचित जीवन जीने के लिए तत्पर रहते हैं अतः इस रोमांचकारी जीवन में समय–समय पर संभावित खतरों की संभावना भी होती है।

इतना ही नहीं, युवा अवस्था जीवन का एक अहम पढ़ाव होता है जिसमें कई तरह के शारीरिक एवं मानसिक बदलाव होते हैं। इसी अवस्था में युवा पीढ़ी के अपने सपने और माता–पिता के अरमान जुड़े होते हैं। यही वह समय होता है जब हम जीवन के लक्ष्य निर्धारित कर अपने आदर्शों के अनुरूप जीवन को ढालने का प्रयास करते हैं।

युवा पीढ़ी जहां शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचे पायदानों पर पहुंचकर विभिन्न कार्यक्षेत्रों में अपना नाम रौशन कर रही है वहीं यह आवश्यक है कि अपने स्वास्थ्य का आवश्यक रूप से ध्यान रखे। अपने साथी के प्रति सम्मान की भावना पैदा करें तथा जीवन में उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार को अपनाएं।

प्रदेश में उपलब्ध एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण के आंकड़े बताते हैं कि युवा पीढी का एक बड़ा प्रतिशत एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण से ग्रसित है जो कि निश्चित ही बड़ी दुखद स्थिति है। आजकल 25 से 44 वर्ष की आयु में होने वाली मृत्यों का एक प्रमुख कारण भी एच.आई.वी./एड्स ही है।

एड्स का कोई टीका न होने के कारण ''**शिक्षा का टीका**'' ही एक ऐसी सामाजिक दवा है जिसके द्वारा नये संक्रमण या प्रभावित व्यक्तियों की संख्या को रोका जा सकता है। अतः इस बात को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा युवा पीढ़ी को एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण से बचाव संबंधी जानकारी प्रदान करने हेतु विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। वर्ष 2006–2007 में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से प्रदेश के 7 विश्वविद्यालयों में 700 रेड रिबन क्लब गठित किए गए। इस वर्ष 2008–2009 में 1287 रेड रिबन क्लब गठित रने का लक्ष्य है।

स्वस्थ मित्रता को निभाने का आवहन करेगा, यह रेड रिबन क्लब :

- रेड रिबन एक प्रतीकात्मक चिन्ह है, जो कि एच.आई.वी./एड्स के विरूद्ध संघर्षरत लोगों की एकता को दर्शाता है।

- रेड रिबन यानि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्तियों के प्रति हमारे सहृदयता एवं स्नेह का प्रतीक है।

- रेड रिबन उस पीड़ा का प्रतीक है जो कि एक एड्स संक्रमित व्यक्ति ने भोगी है।

- रेड रिबन यानि हमारा क्रोध, हमारा आक्रोश उस असहाय अवस्था के प्रति जिसमें हम एक ऐसे संक्रमण से लड़ रहे हैं जिसका अभी उपचार नहीं है।

- रेड रिबन हम सभी के लिए एक चेतावनी है जो हमें आगाह करती है कि आज के इस वैज्ञानिक युग में हम, इस समस्या के प्रति लापरवाह या अनजान न बने रहें।